सिय सियावल्लभ लाल की सखि

सिय सियावल्लभ लाल की सखि आरति करिए ।
दंपति छवि अवलोकि के निज नयना धरिए ॥

अंग अनूप सुहावने पट भूषण राजे ।
नेह भरे दोउ रसिक सुभग सिंहासन साजे ॥१॥

मंद मंद मुस्काय के सिया गल भुज डारे ।
ललक लिए उर लाए प्राण प्रीतम निज प्यारे ॥२॥

ललनागण बड़भागिनी लोचन फल पावें ।
सेवहिं भाव बढ़ाय के मुदमंगल गावें ॥३॥

चँवर छत्र कोइ लिए बाजने विपुल बजावें ।
प्रेम लता उर उमगि सुमन नचि नचि बरसावें ॥४॥

Source:
https://www.bharattemples.com/siy-siyabhalabh-lal-ki-sakhi-shayan-aarati/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw